Bipin Nambiar
(SBI PO 2018)
Shiraz Khan
(SBI Clerk 2018)
Kuldeep Yadav
(SBI PO 2018)
Rajat Saxena
(IBPS Clerk 2018)
Anupam Tyagi
(IBPS PO 2018)
FRIENDS!
WE USED TESTZONE
AND CRACKED BANK EXAMS
बैंक परीक्षाओ के लिए निश्चित
रूप से सर्वश्रेष्ट मॉक
टेस्ट सीरीज
IT'S YOUR TURN NOW
TAKE A FREE MOCK TEST
Smartkeeda
The Question Bank

Find the Odd Sentence for RRB Scale I Mains & RRB Office Assistance Mains

Hindi Odd Sentence Quiz 1

निर्देश: नीचे कुछ वाक्य दिए गए हैं। दिए गए सभी वाक्य, यदि एक उचित क्रम में पुन: व्यवस्थित किए जाते हैं, तो एक सार्थक और सुसंगत गद्यांश बनेगा। परन्तु, सभी वाक्यों में से एक वाक्य गद्यांश के मुख्य विचार में योगदान नहीं करता है। ऐसे वाक्य को पहचानें और अपने उत्तर के रूप में चिह्नित करें।

1)

A. हिंदी काव्य में अस्तित्वाद के प्रभाव को देखने की कोशिश प्रायः स्वातन्त्र्योत्तर युग से शुरू होती है, पर अस्तित्व का प्रश्न चूँकि मनुष्य की मूल प्रकृति से जुड़ा हुआ है इसलिए मानव-सृजित किसी भी साहित्य में इसकी खोज की जा सकती है।
B. आज हम जिस समाज में रहते हैं उस समाज में आज भी कुछ ऐसी आदिवासी जनजातियाँ हैं, जो मूलभूत आवश्यकताओं से वंचित हैं।
C. आदिवासी जनजातियों का जीवन पूरी तरह से जंगल पर निर्भर है।
D. उसे भी बाहरी (सभ्य समाज) लोगों ने हड़प लिया है।
E. हजारों वर्षों से जंगलों में रह रहीं आदिम जनजातियाँ खुले मैदानों तथा सभ्यता के केन्द्रों में बसे लोगों (सभ्य समाज) से अधिक सम्पर्क स्थापित किए बिना ही अपने अस्तित्व को बनाए हुए हैं।

Smartkeeda
The Question Bank

2)

A. 21 वीं सदी में सारे विश्व में नारी शक्ति के अभूतपूर्व जागरण की शुरूआत हो चुकी है।
B. आज की स्त्री की नियति को रोक पाना किसी संस्था अथवा समाज के बूते की बात नहीं है।
C. भिन्नता इतनी है कि हिन्दू धर्म को छोड़ अन्य धर्म वाले अपनी धार्मिक भाषा में गीत गाते हैं जैसे मुसलमान मर्सिया शोकगीत उर्दू भाषा में गाते हैं अतएव हिन्दी वोलियों के लोकगीत हिन्दू धर्म वाले ही गाते हैं।
D. पुरूष के द्धारा नारी का चरित्र अधिक आदर्श बन सकता है परन्तु सत्य नहीं है।
E. नारी अपने जीवन का जैसा सजीव चित्र दे सकती है वैसा पुरूष साधना के उपरांत भी शायद ही दे सके।

3)

A. भारत एक बहुभाषी, बहुधर्मी तथा बहुसांस्कृतिक देश है,
B. जहाँ अनेकों आदिवासी जनजातियाँ पाई जाती हैं। भारत की जनसंख्या में लगभग आठ प्रतिशत आदिवासी हैं।
C. यह आँकड़ा पूरी तरह से विश्वनीय नहीं है, क्योंकि इसमें केवल वही आदिवासी समूह आते हैं, जिनके नाम भारतीय संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल है।
D. 21 वीं सदी में सारे विश्व में नारी शक्ति के अभूतपूर्व जागरण की शुरूआत हो चुकी है।
E. सन् 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की अनुसूचित जनजातियों की कुल जनसंख्या 8.6 करोड़ है।

4)

A. मानव को मानव के साथ सम्बन्ध जोडने को यहाँ तक कि जगत के विविध जीवो के साथ मानवीय सम्बन्ध को बनाये रखने का यही संवेदना है।
B. मानवता को उन्होने सर्वोच्च स्थान दिया है और उसके प्रति अपनी आस्था प्रकट कि है उनकी कृतियो में दिव्य चरित्रो की चर्चा है किन्तु उन्होने उन्हे मानवीय भावनाओ से ही ओत प्रोत देखा है।
C. दर्शन शब्द का तात्पर्य केवल जगत को देखना ही पूर्णतः सही नहीं है।
D. कालिदास मानव और देव मे विशेष अन्तर न मानते हुुए श्रोत-स्मात धर्म के अनुसार उनमें केवल इतना ही अन्तर मानते है कि पुण्यकर्मा मानव देव हो जाता है और क्षीण पुण्य पुनः मानव हो जाता है।
E. जैसे उनके दुष्यन्त इन्द्र की सहायता के लिए गये शकुन्तला देव और मानव के संयोग से उत्पन्न होते हुए निःसंकोच रुप से देवो के आश्रम मे रहती हुई अपने पुत्र का पालन करती रही।

5)

A. व्यक्ति सत्य से लेकर विश्व-सत्य तक इसकी सीमा में आता है।
B. सृष्टी के आरंभ से आज तक मनुष्य सत्य की खोज में लगा हुआ है।
C. कुल मिलाकर सत्य का जीवन और जगत् से अविच्छिन्न सम्बन्ध है।
D. इसलिए किसी न किसी रुप में सत्य का अन्वेषण, सत्य का अवलम्ब मनुष्य के लिए अपरिहार्य हो जाता है; क्योंकि सत्य से व्यक्ति और समाज के नैतिक और आध्यात्मिक जीवन को बल मिलता है।
E. शिवप्रसाद सिंह के उपन्यास 'नीला चाँद' को साहित्य अकादमी पुरस्कार से नवाजे जाने के बाद उनका व्यास सम्मान से अलंकृत होना एक महत्त्वपूर्ण घटना सिद्ध हुई, क्योंकि यह आधुनिकता और प्रगतिशीलता दोनों की दृष्टिकोण से महत्त्वपूर्ण है।

6)

A. दर्शन का सात्वि अर्थ है देखना प्रायः सांसारिक मानव जागतिक पदार्थो, वस्तुओं, संबधों एवं सुख-दुख के स्थूल स्वरूपों को देखता है, और इस दृश्यमान जगत को ही सच्चा मान लेता है।
B. दर्शन शब्द का तात्पर्य केवल जगत को देखना ही पूर्णतः सही नहीं है।
C. डाॅ. श्याम सुंदर दास के कर्तव्य एवं कल्पनाशीलता के परिणाम स्वरूप ही हिन्दी ने कम ही वक्त में मील का पत्थर तय किया।
D. दर्शन के अन्तरगत "सृष्टि से निर्माता को देखना" आत्मसात करना अनुभव में लाना एवं तद्विषयक चिन्तन करना दर्शन है।
E. दर्शन शब्द का प्रयोग वर्तमान में किसी भी क्रमबद्ध सुव्यवस्थित विचार धारा को कहा जाने लगा है, भले ही वह अध्यात्मपरक दर्शन ना हो।

Smartkeeda
The Question Bank

7)

A. विश्व में विज्ञान और प्रौघोगिकी का अभूतपूर्व विकास हो रहा है, साथ ही साथ भारत में भी इसकी लहर फैल रही है।
B. ज्ञान - विज्ञान और ततसंबन्धी अन्य क्षेत्रों की सही अभिव्यक्ति केलिए भाषा में भी प्रायोगिक स्तर पर विकास होना अनिवार्य है।
C. हिंदी भाषा इसके लिए एक उत्तम उदाहरण है कि यह समस्त क्षेत्रों की सार्थक अभिव्यक्ति केलिए सक्षम है।
D. प्रेमचंद की परम्परा से अर्थ समाज की जमीनी सच्चाई को न सिर्फ कागज पर उतारना बल्कि स्वयं भी सामाजिक संघर्ष में हस्तक्षेप करना हैं।
E. फलस्वरूप हिंदी भाषा के प्रयोगधर्मी रूप प्रयोजनमूलक हिंदी सामने आयीऔर इसके विविध शैली रूप विकसित हुई। विज्ञान प्रधान इस युग में प्रयोजनमूलक हिंदी की शैली रूप पर चर्चा आवश्यक हो गई है यह इसके संबन्ध में एकअवलोकन है।

8)

A. दर्शन का सात्वि अर्थ है देखना प्रायः सांसारिक मानव जागतिक पदार्थो, वस्तुओं, संबधों एवं सुख-दुख के स्थूल स्वरूपों को देखता है, और इस दृश्यमान जगत को ही सच्चा मान लेता है।
B. लोग प्राचीन काल से अपना देश छोड भ्रमण करते है।
C. कोई काम के लिए, कोई संत अपने विचारों से लोगों को जागृत करने के लिए ऐसे कई कारण होते हैं।
D. आज आधुनिक यूग में यूवा वर्ग दूसरे देश में जाकर वहाँ काम करता है।
E. आज तो भारतीय लोग प्रवासी जीवन जी रहे है।

Smartkeeda
The Question Bank

9)

A. लोकतांत्रिक व्यवस्था के वास्तविक कर्णाधर देश के राजनीतिक नेतागण ही होते हैं।
B. सामाजिक जीवन में शांति एवं अहिंसा की स्थापना के परिदृश्य में - ‘ सम्पूर्ण विश्व एक परिवार है ’ का मूल भाव सन्निहित है जो जीवन की गतिशीलता के मध्य आज ओझल सा हो गया है।
C. भारतीय लोकतंत्र के सभी महत्वपूर्ण प्रशासनिक पदों पर जनता द्वारा चुने गये राजनीतिक नेता ही कार्यरत है।
D. देश और जनता की प्रगति एवं कल्याण के लिए नीतियों और योजनाओं का निर्माण करना इनका दायित्व है।
E. इसके लिए इन्हें निजी स्वार्थों से परे होकर कार्य करना जरूरी है।

10)

A. वर्तमान वैश्विक समाज एक ओर तो सफलता के नित नए शिखर छू रहा है परन्तु दूसरी ओर यह समाज में फैली कुरीतियों, आर्थिक शोषण, भ्रष्टाचार, भूख-प्यास, गरीबी, रंगभेद, ऊँच-नीच की दुर्भावना आदि से भी अछूता नहीं हो सका है।

B. अतः नाथों ने अपने समय के समाज के कल्याण के लिये जो कुछ कहा, वह आज के पतन की ओर प्रवृत्त समाज के लिये भी उपयोगी है।

C. उनकी वाणियों की जितनी उपादेयता और प्रासंगिकता तत्कालीन समय में थी, उससे कहीं ज्यादा वर्तमान समय में है।

D. यदि प्रत्येक व्यक्ति नाथों द्वारा निर्दिष्ट सत्य तथा दर्शन का आचरण करे तो वर्तमान समाज की अनेक समस्याओं का समाधान संभव हो सकता है।

E. भारतीय पुराकथाएं अपनी काजलयी चेतना के कारण सहस्त्रों वर्षों से भारतीय साहित्य की समस्त विधाओं में किसी न किसी रूप में विद्यमान रहीं हैं।

Smartkeeda
The Question Bank

Correct answer:

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
A	C	D	C	E	C	D	A	B	E

Explanation:

1. उपरोक्त वाक्यों का गहन अध्ययन के उपरांत हमें यह ज्ञात होता है कि जहाँ वाक्य A में हिंदी काव्य के बारे में वर्णन किया गया है वही शेष सभी वाक्यों में भाषा एवं संस्कृति सभ्यता एवं आदिवासियों पर हुए अत्याचार का वर्णन किया गया है।

   अतः वाक्य A के अतरिक्त शेष सभी वाक्य एक अर्थपूर्ण गद्यांश का निर्माण कर रहे है।

   अतः वाक्यों का सही क्रम BCDE होगा।

   अतः विकल्प A सही चयन होगा।

2. उपरोक्त वाक्यों का गहन अध्ययन के उपरांत हमें यह ज्ञात होता है कि जहाँ वाक्य C में आज के समय में स्त्री शक्ति एवं आज के समय में स्त्रियों में आये बदलाव का वर्णन किया गया है वही शेष सभी वाक्यों में धर्म एवं विभिन्न प्रकार के धर्मों का वर्णन किया गया है।

   अतः वाक्य C के अतरिक्त शेष सभी वाक्य एक अर्थपूर्ण गद्यांश का निर्माण कर रहे है।

   अतः वाक्यों का सही क्रम ABDE होगा।

   अतः विकल्प C सही चयन होगा।

3. उपरोक्त वाक्यों का गहन अध्ययन के उपरांत हमें यह ज्ञात होता है कि जहाँ वाक्य D में आज के समय में स्त्री शक्ति में हुए जागरण का जिक्र किया गया है वही शेष सभी वाक्यों में भाषा एवं संस्कृति का वर्णन किया गया है।

   अतः वाक्य D के अतरिक्त शेष सभी वाक्य एक अर्थपूर्ण गद्यांश का निर्माण कर रहे है।

   अतः वाक्यों का सही क्रम ABCE होगा।

   अतः विकल्प D सही चयन होगा।

Smartkeeda
The Question Bank

4. उपरोक्त वाक्यों का गहन अध्ययन के उपरांत हमें यह ज्ञात होता है कि जहाँ वाक्य C में दर्शन के वास्तविक तात्पर्य का वर्णन किया गया है वही अन्य वाक्यों में मानवता एवं मानवीय भावनाओं का वर्णन किया गया है।

अतः वाक्य C के अतरिक्त शेष सभी वाक्य एक अर्थपूर्ण गद्यांश का निर्माण कर रहे है।

अतः वाक्यों का सही क्रम ABDE होगा।

अतः विकल्प C सही चयन होगा।

5. उपरोक्त वाक्यों का गहन अध्ययन के उपरांत हमें यह ज्ञात होता है कि जहाँ वाक्य E में शिवप्रसाद सिंह के उपन्यास का जिक्र किया गया है वही शेष सभी वाक्यों में सत्य एवं जीवन का वर्णन किया गया है।

अतः वाक्य E के अतरिक्त शेष सभी वाक्य एक अर्थपूर्ण गद्यांश का निर्माण कर रहे है।

अतः वाक्यों का सही क्रम ABCD होगा।

अतः विकल्प E सही चयन होगा।

6. उपरोक्त वाक्यों का गहन अध्ययन के उपरांत हमें यह ज्ञात होता है कि जहाँ वाक्य C में हिंदी के उत्थान में श्याम सुन्दर दास के योगदान का वर्णन किया गया है वही अन्य वाक्यों में दर्शन एवं उसके शाब्दिक अर्थों का वर्णन किया गया है।

Smartkeeda
The Question Bank

अतः वाक्य C के अतरिक्त शेष सभी वाक्य एक अर्थपूर्ण गद्यांश का निर्माण कर रहे है।

अतः वाक्यों का सही क्रम ABDE होगा।

अतः विकल्प C सही चयन होगा।

7. उपरोक्त वाक्यों का गहन अध्ययन के उपरांत हमें यह ज्ञात होता है कि जहाँ वाक्य D में प्रेमचंद्र के मूल्यों का वर्णन है वही शेष सभी वाक्यों में विश्व में आज के ज़माने में हुए विज्ञानं एवं प्रौद्योगिक के क्षेत्र में हुए विकास का वर्णन किया गया है।

अतः वाक्य D के अतरिक्त शेष सभी वाक्य एक अर्थपूर्ण गद्यांश का निर्माण कर रहे है।

अतः वाक्यों का सही क्रम ABCE होगा।

अतः विकल्प D सही चयन होगा।

8. उपरोक्त वाक्यों का गहन अध्ययन के उपरांत हमें यह ज्ञात होता है कि जहाँ वाक्य A में दर्शन के सही अर्थ एवं उसके प्रभाव क्षेत्र का वर्णन किया गया है वही शेष सभी वाक्यों में यह वर्णित है कि कैसे आज देश के अधिकांश लोग एक भ्रमित की भांति अपना जीवन यापन करते है।

अतः वाक्य A के अतरिक्त शेष सभी वाक्य एक अर्थपूर्ण गद्यांश का निर्माण कर रहे है।

अतः वाक्यों का सही क्रम BCDE होगा।

अतः विकल्प A सही चयन होगा।

9. उपरोक्त वाक्यों का गहन अध्ययन के उपरांत हमें यह ज्ञात होता है कि जहाँ वाक्य B में सामाजिक सद्भावना एवं सामाजिक समानता का वर्णन है वही शेष सभी वाक्यों में एक स्वस्थ लोकतंत्र में देश के राजनेताओं के कर्तव्यों का वर्णन किया गया है।

अतः वाक्य B के अतरिक्त शेष सभी वाक्य एक अर्थपूर्ण गद्यांश का निर्माण कर रहे है।

अतः वाक्यों का सही क्रम ACDE होगा।

अतः विकल्प B सही चयन होगा।

Smartkeeda
The Question Bank

10. उपरोक्त वाक्यों का गहन अध्ययन के उपरांत हमें यह ज्ञात होता है कि जहाँ वाक्य E में भारतीय पुराकथाएँ का वर्णन है वही शेष सभी वाक्यों में समाज में फैली कुरूतियों का वर्णन किया गया है।

अतः वाक्य E के अतरिक्त शेष सभी वाक्य एक अर्थपूर्ण गद्यांश का निर्माण कर रहे है।

अतः वाक्यों का सही क्रम ABCD होगा।

अतः विकल्प E सही चयन होगा।

SmartKeeda
The Question Bank
Presents
TestZone
India's least priced Test Series platform
JOIN
ALL BANK EXAMS
2020-2021 Test Series
@ Just
₹599/-
300+ Full Length Tests
Brilliant Test Analysis
Excellent Content
Unmatched Explanations
JOIN NOW